एचएलएल

समन्वया

अंक - 38, मार्च 2026

हिंदी वह भाषा है जो लोगों के दिलों को जोडती है।

एचएलएल ऑप्टिकल्स

एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

सरकारी नेत्र अस्पताल, तिरुवनंतपुरम, दूरभाष : 0471 2306966

विषय सूची

हिंदी दिवस का संदेश	04
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	07
संपादकीय	08
राजभाषा कार्यकलापों पर एक नज़र	09
पुरस्कार वितरण	20
एचएलएल के नूतन पहल	22
मान्यता एवं उपलब्धियाँ	34
एचएलएल समाचार	35
नराकास राजभाषा सम्मान	40
सृजनशीलता	41
एचएलएल शब्दावली	44
नेमी टिप्पणियाँ	46

अंक 38, मार्च 2026

संपादक मंडल

संरक्षक डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य संपादक डॉ.राजेश रामकृष्णन, उपाध्यक्ष (एच आर) संपादक डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), सह संपादक आशा.एम, संपादकीय सहायक मीना.एम.वी, लीना.एल संपादक मंडल हरिकृष्णन नंपूतिरी, उपाध्यक्ष (जीबीडी & सी सी), श्रीमती सुधा.एस.नायर, उप महा प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार)

डिज़ाइनिंग : श्रीजित एस एल, अलन जॉयल टी जी (कॉर्पोरेट संचार)

मुद्रक : सेंट जोसफ्स प्रेस, तिरुवनंतपुरम

संपादित एवं प्रकाशित (केवल मुफ्त परिचालनार्थ) हिंदी विभाग, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम – 695 012, केरल, दूरभाष - 2354949

वेब : www.lifecarehll.com फैक्स : 0471 – 2358890

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड का कोई संबंध नहीं है।

हिंदी दिवस संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

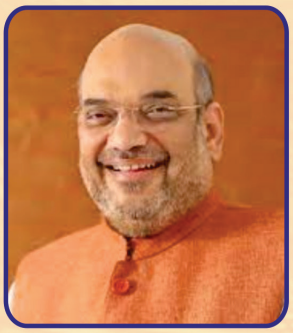

प्रिय देशवासियो !

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत मूलतः भाषा–प्रधान देश है। हमारी भाषाएँ सदियों से संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान–विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम रही हैं। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, मरुभूमि से लेकर बीहड़ जंगलों और गाँव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से संगठित रहने और एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है।

मिलकर चलो, मिलकर सोचो और मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई और सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है।

भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया। पूर्वोत्तर में बीहू का गान, तमिलनाडु में ओवियालू की आवाज, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति की पदावली, बंगाल में बाउल संत के भजन, आदिम समाज में ढोल–मांदर की थाप पर करमा की गूँज, माताओं की लोरियाँ, किसानों का बारहमासा, कजरी गीत, भिखारी ठाकुर की 'बिदेशिया', इन सबने हमारी संस्कृति को जीवन्त और लोककल्याणकारी बनाया है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय भाषाएँ एक दूसरे की सहचर बनकर, एकता के सूत्र में बंधकर आगे बढ़ रही हैं। संत तिरुवल्लुवर को जितनी भावुकता से दक्षिण में गाया जाता है, उतनी ही रुचि से उत्तर में भी पढ़ा जाता है। कृष्णदेवराय जितने लोकप्रिय दक्षिण में हुए, उतने ही उत्तर में भी। सुब्रमण्यम भारती की राष्ट्रप्रेम से ओत–प्रोत रचनाएँ हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रप्रेम को प्रबल बनाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास को हर एक देशवासी पूजता है, संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम अनुवादों में पाए जाते रहे हैं। सूरदास की पदावली दक्षिण भारत के मंदिरों और संगीत परंपरा में आज भी प्रचलित है। श्रीमंत शंकरदेव, महापुरुष माधवदेव को हर एक वैष्णव जानता है। और, भूपेन हजारिका को हरियाणा का युवा भी गुनगुनाता है।

गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएँ प्रतिरोध की आवाज बनीं और आज़ादी के आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बनाने में भूमिका निभाई। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, गाँव–देहात की भाषा में लोगों को आज़ादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाटककारों ने लोकभाषाओं, लोककथाओं, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

जब देश आजाद हुआ, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने भाषाओं की क्षमता और महत्ता को देखते हुए

इस पर विस्तार से विचार–विमर्श किया और 14 सितम्बर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया। संविधान के अनुच्छेद 351 में यह दायित्व सौंपा गया कि हिंदी का प्रचार–प्रसार हो और वह भारत की सामासिक संस्कृति का प्रभावी माध्यम बने।

पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड आया है। चाहे संयुक्त राष्ट्रसंघ का मंच हो, जी–20 का सम्मेलन या SCO में संबोधन, मोदी जी ने हिंदी और भारतीय भाषाओं में संवाद कर भारतीय भाषाओं का स्वाभिमान बढ़ाया है।

मोदी जी ने आजादी के अमृत काल में गुलामी के प्रतीकों से देश को मुक्त करने के जो पंच प्रण लिए थे, उसमें भाषाओं की बड़ी भूमिका है। हमें अपनी संवाद और आपसी संपर्क भाषा के रूप में भारतीय भाषा को अपनाना चाहिए, न कि किसी विदेशी भाषा को। तभी हम गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त हो पाएँगे।

राजभाषा हिंदी ने 76 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। राजभाषा विभाग ने अपनी स्थापना के स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण कर हिंदी को जनभाषा और जनचेतना की भाषा बनाने का अद्‌भुत कार्य किया है। 2014 के बाद से सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दिया गया है। संसदीय राजभाषा समिति ने वर्ष 1976 में अपनी स्थापना से लेकर 2014 तक माननीय राष्ट्रपति महोदया को प्रतिवेदन के 9 खंड प्रस्तुत किए थे, वहीं 2019 से अब तक 3 खंड प्रस्तुत किए जा चुके हैं। 13–14 नवम्बर 2021 को वाराणसी से प्रारंभ हुए अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों की परम्परा भी लगातार आगे बढ़ रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित 'कंठस्थ 2.0' में आज 5 करोड़ से अधिक वाक्यों का ग्लोबल डाटाबेस उपलब्ध है। 'लीला राजभाषा' और 'लीला प्रवाह' जैसे शिक्षण पैकेजों के माध्यम से 14 भारतीय भाषाओं में हिंदी सीखने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2022 में शुरू हुआ 'हिंदी शब्द सिंधु' अब तक लगभग 7 लाख शब्दों से समृद्ध हो चुका है।

2024 में हिंदी दिवस पर 'भारतीय भाषा अनुभाग' की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के बीच सहज अनुवाद सुनिश्चित करना है। हमारा लक्ष्य यह है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम न रहकर तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। डिजिटल इंडिया, ई–गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में हम भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम, प्रासंगिक और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत को अग्रणी बनाने वाली शक्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं।

मित्रों, भाषा सावन की उस बूँद की तरह है, जो मन के दुःख और अवसाद को धोकर नई ऊर्जा और जीवन शक्ति देती है। बच्चों की कल्पना से गढ़ी गई अनोखी कहानियों से लेकर दादी–नानी की लोरियों और किस्सों तक, भारतीय भाषाओं ने हमेशा समाज को जिजीविषा और आत्मबल का मंत्र दिया है।

मिथिला के कवि विद्यापति जी ने ठीक ही कहा है:
"देसिल बयना सब जन मिट्ठा।"
अर्थात् अपनी भाषा सबसे मधुर होती है।

आइए, इस हिंदी दिवस पर हम हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करने और उन्हें साथ लेकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लें।

आप सभी को एक बार फिर से हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

वंदे मातरम्।

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2025

(अमित शाह)

जगत प्रकाश नड्डा
JAGAT PRAKASH NADDA

सत्यमेव जयते

मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
Minister
Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

संदेश

भाषायी विविधता भारतवर्ष की अनमोल धरोहर और पहचान है। हमारी अनेक भाषाएँ और बोलियाँ न केवल अपने अद्वितीय सौन्दर्य के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनके साथ जुड़ा हुआ गहरा सांस्कृतिक और पारंपरिक इतिहास भी हमारे राष्ट्र को समृद्ध बनाता है। हिंदी ने इस विविधता को एक सूत्र में पिरोकर, भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रत्येक अवसर पर विश्व को नए विचार, नई संकल्पनाएँ और अभिनव दृष्टिकोण प्रदान किए हैं। उन्होंने अपने विज़न को प्रस्तुत करने के लिए संवाद का माध्यम हिंदी चुनकर हमें गौरवान्वित किया है । इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाकर भाषा के उत्थान में अपना योगदान सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का कार्य समाज के सरोकारों और उत्तरदायित्वों से जुड़ा हुआ है। हिंदी के माध्यम से हम अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सकते हैं, उन्हें बेहतर सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं और सुशासन में जनभागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

मुझे विश्वास है कि हम सब भारतवासी अपनी प्रादेशिक भाषाओं को उचित सम्मान देते हुए, उनके शब्दों को अपनाते हुये, हिंदी को एक संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करेंगे और राष्ट्र की एकता एवं सामूहिक शक्ति को और सुदृढ़ बनाएंगे ।

(जगत प्रकाश नड्डा)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

एचएलएल के 60 साल की यात्रा से मतलब, सिर्फ़ अपनी विरासत या स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र की क्रांतियाँ, जो हमने अतीत में लाई हैं, मात्र नहीं हैं; बल्कि यह आने वाले कल के स्वास्थ्य के लिए एक विज़न भी है।

गत वर्षों में हम बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करने में कामयाब बन गयी हैं - यानी राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम का नेतृत्व, नैदानिक क्षेत्र में विपणन हस्तक्षेप, गंभीर बीमारियों के लिए चिकित्सा रिटेल क्षेत्र में वहनीयता लाना और थिंकल जैसे कार्यक्रम। वास्तव में ये सब, यह सिद्ध करते हैं कि समुदायों में उठाए गए छोटे-छोटे कदम भी देश में एक सार्थक बदलाव ला सकते हैं।

आगे देखें तो, भविष्य के लिए हमने बड़ी योजनाएँ तैयार की हैं; हम मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और कई अन्य नए क्षेत्रों में कदम रख रहे हैं, जो हमारी इस यात्रा में अंतिम रूप ले रहे हैं। इन विकास योजनाओं के साथ-साथ, हम खुद को सर्वश्रेष्ठ के समकक्ष बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जैसे कि मानव संसाधनों में मौजूदे कमियों को दूर करना, अपनी विनिर्माण क्षमताओं को मज़बूत करना और अपने अवसंरचना एवं तकनॉलजी को उन्नत बनाना।

इस प्रकार, जन कल्याण पर केंद्रित कार्यक्रमों पर फोकस करने के साथ ही, हर महीने में वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यकलापों को आयोजित करते हुए, हम भारत सरकार की राजभाषा नीति को कंपनी में लागू करने में भी अतीव प्रमुखता देती हैं। वर्ष 2025-26 के दौरान विभिन्न प्रकार के हिंदी कार्यक्रम समय पर कंपनी में आयोजित करके हमारे सभी यूनिटों के कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन दिया।

एचएलएल के सभी गतिविधियों का विवरण कंपनी की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' में प्रकाशित कर रहे हैं। मुझे इस पत्रिका का अठतीसवाँ अंक आपके सामने प्रस्तुत करने में बेहद खुशी है। पाठकों की प्रतिक्रियायें हमारे लिए बहुत मूल्यवान है, कृपया अपने विचार साझा करें, ताकि हम अगले अंक को और भी आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक बना सकें ।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

अनिता तंपी

डॉ.अनिता तंपी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

"समय और शिक्षा के सही उपयोग से कोई भी आसानी से सफलता पा सकता है।"

हिंदी भाषा हरेक भारतीय की पहचान मात्र नहीं, हमारे देश के सांस्कृतिक गौरव एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक भी है। जिससे संपर्क भाषा एवं इंटरनेट की भाषा के रूप में आज हिंदी का वर्चस्व विस्तृत होकर अधिक वोकल एवं ग्लोबल बन गया है। अतः हम अपनी सामाजिक एवं संवैधानिक दोनों जिम्मेदारियों को भलीभांति समझते हुए कंपनी में राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए अनवरत गतिविधियाँ सक्रिय रूप से कर रहे हैं।

हाल ही में हम हिंदी के नूतन तकनॉलजी पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में अतीव प्रमुखता दे रहे हैं। जोकि कंपनी के हिंदी कार्यान्वयन में लगातार वृद्धि ला सकें। इस क्रम में, नयी तकनीकी ज्ञान - हिंदी भाषिणी से परिचित कराने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह मात्र नहीं, अपने कर्मचारियों को आपस में हिंदी में बात करने के लिए योग्य बनाने की ओर हफ्ते में एक दिन बोलचाल हिंदी क्लास भी आयोजित किया जा रहा है।

कंपनी में प्रचलित वर्ष में संघ नेताओं के लिए टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और हिंदी वार्तालाप सत्र, राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम, अखिल भारतीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता, राजभाषा निरीक्षण, स्कूल के छात्रों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें, उच्च कार्यपालकों के लिए हिंदी प्रतियोगिता, स्मृति परीक्षा, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगिताएं, हिंदी पखवाड़ा समारोह, हिंदी मेला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कॉलेज छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम, भारतीय भाषा कवि सम्मेलन, हिंदी संगीतोत्सव जैसे कार्यक्रम शानदार तरीके से आयोजित किये गये। कंपनी के भारत भर के विविध कार्यालयों के कर्मचारियों को ऑनलाइन के माध्यम से हिंदी में प्रशिक्षण देने एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अपेक्षित अवसर भी हम प्रदान कर रहे हैं।

इसके अलावा, कंपनी के समाचार दूसरों तक प्रेषित करने की ओर वर्षवार एक **राजभाषा पत्रिका - समन्वया** भी प्रकाशित किया जा रहा है। मैं एचएलएल की इस राजभाषा पत्रिका के अठतीसवाँ अंक (ई-पत्रिका) आपके सामने प्रस्तुत करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि इस पत्रिका के आगामी अंक और भी मनमोहक एवं सुरुचिपूर्ण बनाने के लिए आवश्यक सुझाव सभी पाठक देंगे।

राजेश

डॉ.राजेश रामकृष्णन
उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) प्रभारी

राजभाषा कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और हिंदी वार्तालाप सत्र

कंपनी के संघ नेताओं को सरकारी काम हिंदी में भी करने को प्रेरित करने और उसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने की ओर टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और हिंदी वार्तालाप सत्र 24.04.2025 को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी में आयोजित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन, एचएलएल के महा प्रबंधक (गुणवत्ता एवं सुरक्षा प्रशिक्षण), श्री वेणुगोपाल एस ने किया । कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत एवं कृतज्ञता ज्ञापन, क्रमशः डॉ.सुरेष कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), सीएचओ और श्रीमती एस.बिंदु, उप प्रबंधक (एच आर), पीएफटी ने किया। क्लास का संचालन, आयकर कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन ने किया। इस कार्यशाला से 30 कर्मचारीगण प्रशिक्षित हुए।

बोलचाल हिंदी क्लास

केंद्र सरकार की राजभाषा के रूप में विराजित हिंदी भाषा बहुत सरल एवं आसान भाषा है। अत: भारत में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली और समझने वाली हिंदी भाषा अब लोकप्रिय भाषा बन गयी है। इस की लोकप्रियता को ध्यान में रख कर और हमारे दैनिक जीवन में हिंदी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए, हमने एक बोलचाल हिंदी क्लास 28.05.2025 को ऑनलाइन के ज़रिए प्रारंभ किया। इस में एचएलएल - सीएचओ, एचएलएल - पीएफटी, एचएलएल - एएफटी, हाइट्स से 61 कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. सुरेष कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने क्लास संभाला। कक्षाएं महीने में दो बार ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित की जाती हैं। यह क्लास न केवल हमें, अपने दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले हिंदी भाषा के शब्दों और प्रयोग से परिचित कराती है, बल्कि हमारे लिए, यह बिना किसी झिझक के बोलने का एक मंच भी है। इसके अलावा, निगमित मुख्यालय के कर्मचारियों के लिए हफ्ते में एक दिन ऑफलाइन बोलचाल हिंदी क्लास भी चलाया जाता है। इससे हमारा उद्देश्य, कंपनी में अनेक नवीन हिंदी कार्यक्रम लागू करके, हिंदी में काम करने के लिए अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना है।

राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम

कंपनी में नव नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम व नियम के बारे में अवगत कराने तथा अपना शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देकर प्रोत्साहित करने की ओर 02.12.2025 को पेरूरकडा फैक्ट्री, तिरुवनंतपुरम के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में राजभाषा नीति पर परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ.अबी संतोष अप्रेम, महा प्रबंधक (आर&डी) द्वारा किया गया। इस परिचय कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न यूनिटों से अठारह अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में श्री सुमेश पी के, प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई और दूसरे सत्र में श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय द्वारा क्लास का संचालन किया गया। इन दोनों सत्रों से कर्मचारियों को राजभाषा नीति तथा टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) और श्रीमती बिंदु.एस, उप प्रबंधक (एच आर) ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला।

अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति एवं हिंदी वार्तालाप पर जागरूकता प्रशिक्षण सत्र

हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में पेरूरकड़ा फैक्ट्री के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में 23.09.2025 को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति एवं हिंदी वार्तालाप पर जागरूकता प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य, कंपनी के अधिकारियों/ कर्मचारियों को राजभाषा नीति के बारे में अवगत कराना, साथ ही साथ दौरे पर जाते समय स्पष्ट एवं प्रभावी ढंग से हिंदी में बातचीत करने के लिए सहायक व्यावहारिक प्रशिक्षण देना। प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन, पेरूरकड़ा फैक्ट्री के महा प्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास), डॉ.अबी संतोष अप्रेम ने किया । कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत एवं कृतज्ञता ज्ञापन, क्रमशः डॉ.सुरेष कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा) और श्रीमती अर्चना, हिंदी अनुवादक ने किया। क्लास का संचालन, आयकर कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन ने किया। इस कार्यशाला से 25 प्रतिभागी प्रशिक्षित किये गये।

हिंदी पखवाड़ा समारोह -2025

हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी हमारी 'राष्ट्रभाषा' भी है। हर वर्ष '14 सितंबर' को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी भाषा का महत्व सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर है, जो एकता का प्रतीक है और भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एक प्रमुख आधिकारिक भाषा है और व्यापार, मीडिया तथा कला के क्षेत्र में आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।
केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ 14 सितंबर 2025 को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं प्रदर्शनी केंद्र, गाँधीनगर, गुजरात में संपन्न हुआ था।

हिंदी प्रतियोगिताएँ

आगे, हिंदी पखवाड़ा समारोह के सिलसिले में कंपनी में 20 & 21 सितंबर 2025 को क्रमशः कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध लेखन, अनुवाद, प्रशासनिक शब्दावली और टिप्पण व आलेखन, हिंदी विज्ञापन, स्मरण परीक्षा, हिंदी समाचार वाचन, हिंदी कविता पाठ, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इसमें 30 कर्मचारियों की भागीदारी हुई। कर्मचारियों के बच्चों के लिए हिंदी निबंध लेखन, अनुवाद, स्मरण परीक्षा, हिंदी वाचन, हिंदी सुलेख, हिंदी श्रुतलेख, हिंदी कविता पाठ, देशभक्ति गीत, फिल्मी गीत आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिंदी पखवाडा - समापन समारोह

हिंदी पखवाडा का समापन समारोह 10.11.2025 को पेरूरकड़ा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करके एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.अनिता तंपी ने कहा कि मातृभाषा के साथ अन्य भाषायें पढना और उपयोग करना अच्छी बात है। पर हिंदी संघ सरकार की राजभाषा होने के नाते अपनी सरकारी कामकाज में इस भाषा का भी अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। समारोह में श्री अजीत.एन, निदेशक (विपणन) और श्री रमेश.पी, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ ने आशीर्वाद भाषण दिया। श्रीमती एल.जी स्मिता, यूनिट मुख्य - पीएफटी और श्री मुकुंद. आर, यूनिट मुख्य - एएफटी ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद भाषण दिया। समारोह में ईश्वर वंदना श्रीमती शालिनी पी.वी, वरिष्ठ प्रबंधक (आई टी) और कंपयरिंग श्रीमती गौरी.एस, हिंदी अनुवादक, एएफटी द्वारा किया गया।

बाद में, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान कंपनी के अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं और एसएसएलसी परीक्षा में हिंदी विषय में 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त कर्मचारी के बेटी को पुरस्कार प्रदान किए गए।

राजभाषा चल वैजयन्ती

एचएलएल के यूनिटों में प्रभावी तौर पर राजभाषा निष्पादन लाने के उद्देश्य से, यूनिटों के बीच में उत्कृष्ट रूप से राजभाषा कार्यान्वयन करनेवाले कार्यालय के लिए, कंपनी में एक राजभाषा चल वैजयन्ती संस्थापित की गयी है। वर्ष 2025 के दौरान इस शील्ड के लिए एचएलएल - पीएफटी को विनिर्णीत किया गया। हिंदी पखवाडा के समापन समारोह में, एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.अनिता तंपी द्वारा यह रोलिंग शील्ड पीएफटी के यूनिट मुख्य, श्रीमती स्मिता एल. जी को प्रदान किया गया।

उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए हिंदी प्रतियोगिता।

कंपनी के वरिष्ठ कार्यपालकों के मन में भी हिंदी का परिवेश लाने की दृष्टि से 17.11.2025 को उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष स्तर तक के अधिकारियों के लिए हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता सामान्य रूप से राजभाषा नीति, निर्देशों और सरल हिंदी नेमी कार्यालयीन टिप्पणियों पर आधारित थी। इस प्रतियोगिता में कंपनी के विविध यूनिटों के 6 कार्यपालकों ने भाग लिया। श्री सतीश आर, संयुक्त महा प्रबंधक (क्यूए), एचएलएल-पीएफटी, श्रीमती अपर्णा ए वी, उप महा प्रबंधक (ईटीडी), एचएलएल-पीएफटी और श्री राजीव आर वी, सह उपाध्यक्ष (डिज़ाइन एवं विकास & सुरक्षा), एचएलएल-सीएचओ को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ और बाकी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

राजभाषा निरीक्षण

कंपनी के हरेक कर्मचारी अपना अधिकाधिक शासकीय कार्य हिंदी में भी करने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर हम बीच - बीच में कंपनी के सभी अनुभागों का निरीक्षण करते हैं। साथ ही कंपनी के विभिन्न यूनिटों के बीच में संस्थापित राजभाषा चल वैजयन्ती एवं अग्रणी अनुभाग पुरस्कार से यूनिट एवं अनुभाग को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इस दृष्टि से 26.09.2025 को श्रीमती गिरिजा कुमारी.डी.टी, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, तिरुवनंतपुरम द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से पेरूरकड़ा फैक्टरी, आक्कुलम फैक्टरी, कनगला फैक्टरी, काक्कनाड फैक्टरी, मुंबई कार्यालय और सहायक कंपनी हाइट्स का राजभाषा निरीक्षण करके आवश्यक मार्गनिर्देश दिये गये।

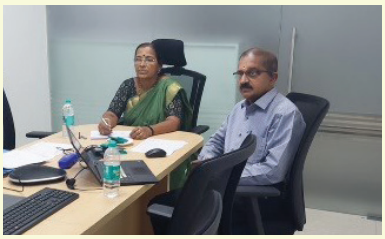

भारतीय भाषा काव्योत्सव

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के सिलसिले में 12 मार्च 2026 को भारतीय भाषा काव्योत्सव नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में शानदार तरीके से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से हमारा लक्ष्य है, कंपनी के विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी स्वरचित कवितायें, चाहे वह हिंदी में हो या दूसरी भाषाओं में, प्रस्तुत करने के लिए अवसर देना और इससे उनकी भाषा कुशलता, सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना। दरअसल इससे हरेक को मानसिक एवं शारीरिक उत्साह मिलता है। इस कार्यकलाप में कविता पाठ, हिंदी फिल्मी गीत एवं अंताक्षरी भी शामिल थीं। कंपनी के अन्य यूनिटों से 22 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भागीदारी हुई। सभी प्रतिभागियों को रु.200/- का नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

अखिल भारतीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

विश्व हिंदी दिवस समारोह के सिलसिले में कंपनी के राजभाषा विभाग ने अपने सभी यूनिटों एवं कार्यालयों के हिंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 9 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक ऑनलाइन के ज़रिए श्रीमती महादेवी वर्मा और श्री सुमित्रानंदन पंत की कविताओं पर एक अखिल भारतीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रत्येक यूनिट से अधिकतम 3 प्रतिभागी भाग ले सकते थे। कंपनी के विविध यूनिटों, सहायक कंपनियों एवं कार्यालयों के 32 कर्मचारियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। एचएलएल-केएफसी के श्री सुदीप बी, उप महा प्रबंधक (उत्पादन एवं इंजीनियरी) तथा डॉ.पार्वती जे, अनुसंधान वैज्ञानिक, सीआरडीसी को प्रथम एवं द्वितीय स्थान और श्रीमती नबीज़त, भंडार सहायक, पीएफटी तथा डॉ. संतोष कुमार शुक्ला, वैज्ञानिक ई 2 को तृतीय स्थान और श्री कृष्ण कुमार रजक, उप प्रबंधक(ईएमसी/ईएमआई लैब), एचएलएल-नोएडा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुए। डॉ.मंजु रामचन्द्रन, सेवानिवृत्त प्राचार्य, गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कुलत्तूर, नेय्याट्टिनकरा ने इस प्रतियोगिता का निर्णायक रहा। डॉ.सुरेष कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने सबका स्वागत किया।

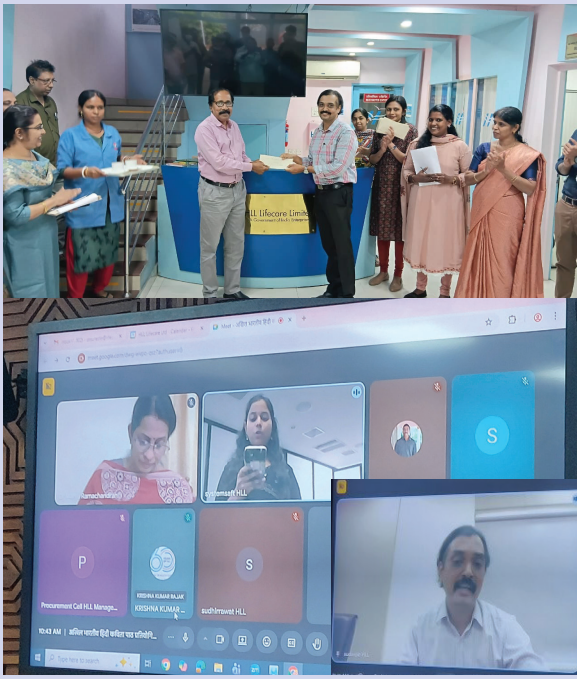

हिंदी रंगोत्सव और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन के प्रोन्नमन के भाग के रूप में कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 13 फरवरी 2026 को हिंदी रंगोत्सव और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित किया गया। प्रश्नोत्तरि प्रतियोगिता में 8 टीम भाग लिए। इस प्रतियोगिता में मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, तिरुवनंतपुरम के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन ने विधि निर्णायक का काम संभाला। सभी टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। टीम सी (सुश्री आमिना एस & श्री राजकिरण, पेरूरकडा फैक्टरी) को प्रथम पुरस्कार, टीम बी (सुश्री अखिला एम एस & श्री निथिन अशोक, पेरूरकडा फैक्टरी) को द्वितीय पुरस्कार और टीम ए (सुश्री रेवती ए & सुश्री ऐश्वर्या, पेरूरकडा फैक्टरी) एवं टीम जी (श्रीमती लक्ष्मी आर & श्रीमती मंजुला जी आर, हाइट्स) को तृतीय पुरस्कार मिला। कुल-मिलाकर 16 कर्मचारियों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया । बाद में, कंपनी के विविध यूनिटों के कर्मचारियों की सहभागिता से हिंदी रंगोत्सव शानदार तरीके से आयोजित किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह और राजभाषा पुरस्कार वितरण

प्रचलित वर्ष के कंपनी के गणतंत्र दिवस समारोह शानदार तौर पर मनाया गया। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ.अनिता तंपी महोदया ने सुबह आठ बजे को झंडा फहराया। बाद में महोदया ने इस दिन के राष्ट्रीय महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर निगमित मुख्यालय के विविध अनुभागों के बीच में राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रगति लाने की ओर संस्थापित अग्रणी अनुभाग पुरस्कार सुरक्षा अनुभाग को और अपना शासकीय काम मूल रूप से हिंदी में भी किये अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टिप्पण एवं आलेखन पुरस्कार भी वितरित किए गए। एचएलएल निगमित मुख्यालय के लिए अग्रणी अनुभाग पुरस्कार (रोलिंग शील्ड एवं नकद पुरस्कार) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने निगमित मुख्यालय के सुरक्षा अनुभाग के मुख्य सुरक्षा अधिकारी, श्री तंपी एस दुर्गादत्त आईपीएस एवं पर्यवेक्षक (सुरक्षा), श्री षाजी वर्गीस को प्रदान किया। आगे, टिप्पण एवं आलेखन के लिए नकद पुरस्कार, श्री रतीष आर, अधिकारी 3, आई टी और श्रीमती धन्या सी एस, कार्यालय सहायक, एचआर को प्रदान किया।

पारंगत प्रशिक्षण

हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य विशेष रूप से टिप्पण एवं आलेखन स्वयं हिंदी में भी करने के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रारंभित पारंगत प्रशिक्षण के वर्तमान सत्र में हमारी कंपनी के पीएफटी और एएफटी यूनिटों से कुल मिलाकर तीन कर्मचारियों को नामांकित किए गए। एचएलएल के निगमित मुख्यालय में हफ्ते में दो दिन आयोजित किये जा रहे इस प्रशिक्षण में श्रीमती श्रीलता, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय द्वारा क्लास लिया जाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अन्य केंद्र सरकार के कार्यालयों से भी कर्मचारी भाग लेते हैं।

करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम

हिंदी स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रम पढने वालों को अपने आगे के कैरियर के विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराने की ओर दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, तिरुवनंतपुरम के विद्यार्थियों के लिए 6.2.2026 को करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सत्र में डॉ. सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने हिंदी के क्षेत्र में नौकरी मिलने की संभावनायें, नौकरी ढूँढने एवं आवेदन देने के तरीका के बारे में भाषण दिया। इस कार्यक्रम में अठारह विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हुई। ईश्वर वंदना से प्रारंभित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ.रम्या, एसोसियेट प्रोफसर ने अध्यक्षता की। विद्यार्थियों ने स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला। सत्र के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने अपनी शंकायें दूर करने की कोशिश की।

टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 25.03.2026 को टिप्पण एवं आलेखन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से हमारा लक्ष्य था, अपने कर्मचारियों को हरेक अनुभाग में प्रयुक्त टिप्पणियों से परिचित करना और सरकारी पत्र हिंदी में भी आलेखन करने के लिए अभ्यास देना। कार्यशाला का उद्घाटन, पेरूरकड़ा फैक्टरी के महा प्रबंधक(आर&डी), डॉ.एबी संतोष अप्रेम ने किया । कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत, डॉ. सुरेषकुमार, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा) ने किया। क्लास का संचालन, आयकर कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न यूनिटों से 22 अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

भाषिणी और भाषादान में योगदान पर अखिल भारतीय संगोष्ठी

कंपनी के भारत भर के विभिन्न कार्यालयों, यूनिटों एवं समनुषंगियों के हिंदी स्टॉफ सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 'भाषिणी और भाषादान में योगदान' पर अखिल भारतीय संगोष्ठी 24 फरवरी, 2026 को अक्षय हॉल, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम में अपराह्न 02.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषिणी के माध्यम से भारतीय भाषाओं के संवर्धन, तकनीकी विकास तथा राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर डिजिटल इंडिया, भाषिणी डिवीजन के राज्य सहभागिता प्रबंधक, श्री अजित पी सुरेश ने भाषण दिया । डॉ.सुरेष कुमार आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने सबका स्वागत किया। इस सत्र में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में सक्रिय रूप से उपस्थित विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारियों को हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में आसानी से अनुवाद कार्य करने की तकनीकी तरीका से अवगत होने का अवसर इस संगोष्ठी से मिला ।

स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगितायें

हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के भाग के रूप में एचएलएल द्वारा चिन्नम्मा मेमोरियल सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम के विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों के लिए 11.11.2025 को विविध हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में स्कूल के विभिन्न स्तर के 55 विद्यार्थीगण अत्यंत उत्सुकता के साथ से भाग लिए गए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का संचालन एचएलएल निगमित मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा किया गया।

वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम

कंपनी के वरिष्ठ कार्यपालकों को राजभाषा नीति के बारे में अवगत कराने के सिलसिले में, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित मुख्यालय के अक्षया हॉल में 19.08.2025 को उप महा प्रबंधक से सह उपाध्यक्ष तक के वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। क्लास का संचालन, मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), श्री ए.सोमदत्तन द्वारा किया गया। इस कार्यशाला से 14 अधिकारी प्रशिक्षित किये गये।

कार्यपालकों के लिए राजभाषा नीति पर पुनश्चर्या कार्यक्रम

कंपनी के तिरुवनंतपुरम की विभिन्न यूनिटों के कार्यपालकों को राजभाषा नियम एवं अधिनियम के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने की ओर, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में 12.06.2025 को कार्यपालकों के लिए आयोजित राजभाषा नीति पर पुनश्चर्या कार्यक्रम में 13 प्रतिभागियों की भागीदारी हुई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन, पेरूरकड़ा फैक्टरी के महा प्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास), डॉ.अबी संतोष अप्रेम ने किया। डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय, तिरुवनंतपुरम ने क्लास का संचालन किया।

एचएलएल - मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय - हिंदी पखवाडा समारोह

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय भवन, मुंबई, खारघर में 22 सितंबर 2025 से 03 अक्टूबर 2025 तक हिंदी पखवाडा समारोह श्री हरि आर. पिल्लै खारघर कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख एवं उप उपाध्यक्ष (एचसीडी) एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष की अनुमति से आयोजित किया गया।

सर्वप्रथम 23 सितंबर 2025, अपराह्न 4.30 बजे को आयोजित हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा के उद्घाटन समारोह में कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी कार्मिकों द्वारा राजभाषा संबंधी प्रतिज्ञा ली गयी और यह सुनिश्चित किया गया कि सभी अपना हिंदी का कार्य रुचि के साथ करें।

हिंदी पखवाडा के उद्घाटन समारोह के बाद निम्नलिखित प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं।

हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता
(स्वरचित/प्रसिद्ध कवि द्वारा लिखित कविता) - 22 सितंबर 2025

प्रथम स्थान- सुश्री दिक्षा गायकवाड़ (लैब तकनीशियन)
द्वितीय स्थान- सुश्री संतोषी प्रसाद (लेखा अधिकारी)
तीसरा स्थान- श्रीमती वर्षा बालकृष्ण डेरे (इनवेंटरी एचसीएस)

हिंदी निबंध प्रतियोगिता - 23 सितंबर 2025

प्रथम स्थान- श्रीमती शिखा मिश्रा (लेखा सहायक)
द्वितीय स्थान-श्रीमती वर्षा बालकृष्ण डेरे (इनवेंटरी एचसीएस)
तीसरा स्थान- श्रीमती मिनाक्षी कांबळे (लेखा सहायक)

हिंदी स्लोगन लेखन और पोस्टर बनाना प्रतियोगिता - 25 सितंबर 2025

प्रथम स्थान- श्रीमती मिनाक्षी कांबळे (लेखा सहायक)

हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता - 26 सितंबर 2025

हिंदी मेमोरी टेस्ट प्रतियोगिता - 29 सितंबर 2025

प्रथम स्थान- श्री प्रदीप शंकरनारायण (लेखा अधिकारी)

हिंदी वाद - विवाद प्रतियोगिता - 03 अक्टूबर 2025
विजेता टीम

श्रीमती अपर्णा म्हादगे (वरिष्ठ लेखा अधिकारी)
श्रीमती शिखा मिश्रा (लेखा सहायक)
श्रीमती अंजुम खान (रिसेप्शनिस्ट)
श्रीमती अदिति पाटिल (लेखा सहायक)
श्री सुशांत जाधव (लेखा सहायक)
श्री रोहन ओझा (लेखा सहायक)

हिंदी पखवाडा - समापन समारोह

हिंदी पखवाडा के समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण 14 जनवरी 2026 शाम 5.00 बजे को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री हरि आर. पिल्लै एचएलएल मुंबई खारघर कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख एवं उप उपाध्यक्ष एचसीडी तथा राजभाषा कार्यान्वयन के अध्यक्ष की उपस्थिति में स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। आगे, कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी श्री अरुण गंगाधरण (उप महाप्रबंधक, एचसीएस) द्वारा श्री प्रशांत वीवीजी डायलिसिस प्रबंधक (एचसीएस), श्रीमती शिल्पा इंगले प्रबंधक (मानव संसाधन),श्री उन्नी एस उप प्रबंधक (मानव संसाधन), श्रीमती अनुराधा सिंह प्रबंधक (वित्त) एवं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का कार्यक्रम में उपस्थित होने एवं निर्णायक मंडल का भाग बनने एवं सहयोग देने के लिए धन्यवाद अदा किया गया। हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओ में सभी विजेताओं को राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया और अन्य प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र भी दिये गये।

पुरस्कार वितरण

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं (कर्मचारियों एवं बच्चों) को पुरस्कार प्रदान कर रही हैं - डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल। साथ हैं - श्री अजीत.एन, निदेशक (विपणन), श्री रमेश. पी, निदेशक (वित्त), एचएलएल और श्रीमती स्मिता.एल.जी, यूनिट प्रधान, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी।

एचएलएल के हीरक जयंती वर्ष

फैक्टरी दिवस पर एचएलएल की हीरक जयंती यात्रा की शुरुआत

1966 वह वर्ष था, जब एक शांत क्रांति की शुरुआत हुई। ऐसे समय में जब भारत की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी और गर्भनिरोधकों तक पहुंच कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित थी, तब सरकार ने कदम उठाया। इस प्रकार केरल की हरी-भरी, लैटेक्स-समृद्ध भूमि पर हिंदुस्तान लैटेक्स का जन्म हुआ, जो भारत की पहली किफायती परिवार नियोजन पहल की शुरुआत थी। जिसका बाद में नाम बदलकर "एचएलएल लाइफ़केयर" दिया गया। तब किसी को भी यह पता नहीं था कि यह छोटा सा बीज बढ़कर दुनिया भर के लोगों का जीवन बदल देगा। जो एक राष्ट्रीय आवश्यकता के प्रति एक मजबूत प्रतिक्रिया के रूप में शुरू हुआ, वह जल्द ही, उत्तरोत्तर एक ऐसी चीज़ में बदल गया जिसे दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा था, एक ऐसा संगठन जो अपने उद्देश्य, पहुंच और प्रभाव में इतना अनूठा था कि कोई भी खाका इसकी नकल नहीं कर सकता था।

एचएलएल आज एक विश्व स्तरीय, बहु-उत्पाद, बहु-सेवा स्वास्थ्यरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बन गया है, जो अपने ज्ञान-केंद्रित और मूल्य-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से उच्च-गुणवत्ता, किफायती और सुलभ समाधान प्रदान करने के लिए विश्व स्तर पर विश्वसनीय है। 1 मार्च 1966 को संस्थापित, एचएलएल की पहली फैक्टरी पेरूरकडा में 5 अप्रैल 1969 को जापान की ओकामोटो तकनीक का उपयोग करके परिचालन शुरू किया गया। इस मील के

पत्थर ने 5 अप्रैल को 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में घटनाओं के वर्ष की शुरुआत करने के लिए एकदम सही तारीख चुन ली, जिसका समापन 1 मार्च 2026 को हुआ।

वार्षिक फैक्टरी दिवस के दौरान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनिता तंपी ने पेरूरकडा फैक्टरी में एक वर्ष भर के हीरक जयंती कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में ध्वजारोहण समारोह और पेरूरकडा फैक्टरी के कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से निर्मित नए वॉकवे का उद्घाटन किया गया।

डॉ. अनिता तंपी ने अपने संबोधन में कहा, "सार्वजनिक क्षेत्र के किसी उद्यम के लिए 60 वर्ष पूरा करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह मील का पत्थर एचएलएल को आकार देने वाले प्रत्येक नेता की दूरदर्शिता और इस संगठन को बनाने वाले सभी लोगों के समर्पण को दर्शाता है। परिवार नियोजन के लिए एक छोटी यूनिट के रूप में शुरू हुआ यह संगठन दुनिया भर में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने वाली संस्था बन गई है। उन्होंने कहा, "जबकि हम अपने नवाचारों पर गर्व करते हैं, हमारे सबसे बड़ा पुरस्कार वह वैश्विक विश्वास है जो हमने अर्जित किया है", उन्होंने जोडा कि अब, जब हम विज़न 2030 पर आगे बढ़ रहे हैं, तो हम पोषण और मानसिक स्वास्थ्य सहित स्वास्थ्य सेवा के नए क्षेत्रों का विस्तार करेंगे।"

श्री अजीत एन, निदेशक (विपणन) ने कहा, "हमारे भरोसेमंद कंडोम ब्रांड मूड्स, जिसने पीढ़ियों तक सेवा दी है, से लेकर आज 80 से अधिक देशों तक पहुँचने वाले 70 से अधिक स्वास्थ्य रक्षा उत्पादों की रेंज तक, एचएलएल दुनिया की ज़रूरतों के साथ विकसित हुआ है।" विज़न 2030 के तहत, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपने विपणन प्रयासों को मज़बूत कर रहे हैं कि प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह शहरों में हो या दूरदराज के क्षेत्रों में हो, को हमारे उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच है। हमारा उद्देश्य सरल है, किसी को भी सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य रक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए।

हीरक जयंती वर्ष के भाग के रूप में, पर्यावरण जागरूकता, सार्वजनिक स्वास्थ्य आउटरीच, विशेषज्ञों के नेतृत्व में ज्ञान साझाकरण तथा एचएलएल की यात्रा और ऐतिहासिक योगदान को प्रदर्शित करने जैसे प्रमुख विषयों पर गतिविधियों की एक श्रृंखला की योजना बनाई गई है।

इस अवसर पर श्री वी. कुट्टप्पन पिल्लै, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (टी&ओ), श्रीमती एल.जी.स्मिता, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) एवं यूनिट मुख्य, पेरूरकडा फैक्टरी, उपाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न यूनिटों के अधिकारी, यूनियन नेता और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कंडोम के विनिर्माण की शुरुआत से, एचएलएल ने जल्दी ही गर्भनिरोधकों के पूरे क्षेत्र में अपने पदचिह्न का विस्तार कर लिया और गर्भनिरोधक समाधानों की पूरी श्रृंखला उपलब्ध कराने वाली दुनिया की एकमात्र कंपनी बन गई। समय के साथ, एचएलएल अस्पताल, महिला स्वास्थ्य रक्षा और फार्मास्यूटिकल उत्पादों में विविधता लायी और आगे अवसंरचना विकास, निदान, प्रापण परामर्श, अस्पताल निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स और अनुसंधान एवं विकास में भी कदम रखा, जिससे स्वास्थ्य रक्षा वितरण के लगभग हर क्षेत्र को कवर किया गया।

एचएलएल के प्रमुख ब्रांड जैसे मूड्स और सहेली दुनिया भर में जाने जाते हैं। इसका डायग्नोस्टिक ब्रांड हिंदलैब्स, किफायती डायग्नोस्टिक और इमेजिंग सेवाओं का एक विश्वसनीय प्रदाता बन गया है। अमृत और एचएलएल फार्मेसियां आवश्यक दवाएं, इम्प्लांट और जीवन रक्षक उपकरण प्रदान करती हैं, जबकि एचएलएल ऑप्टिकल्स स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक और विश्वसनीय एकक के रूप में उभर आया है।

उत्पादों एवं सेवाओं के अलावा, एचएलएल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, मासिक धर्म स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य और सतत विकास में व्यापक कार्यक्रमों का कार्यान्वयन भी करता है, जिनका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य व कल्याण को बढ़ावा देना है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एचएलएल के भारत भर में 8 अत्याधुनिक फैक्टरियाँ और 22 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। वह 200,000 से अधिक रीटेल दूकानों का संचालन करता है और पांच सहायक कंपनियों की देखरेख करता है। इसके अलावा, एचएलएल अपने उत्पादों का निर्यात 80 से अधिक देशों में करता है।

महाराष्ट्र में एचएलएल के 30 आपला दवाखाना क्लिनिक

आगे 103 क्लिनिक की योजना तैयार

एचएलएल ने सात वर्षों तक महाराष्ट्र सरकार के लिए प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में कार्य किया है। अपने हिन्दलैब्स प्रभाग के माध्यम से, एचएलएल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राज्य स्वास्थ्य सोसाइटी के तहत 34 जिलों में सभी सरकारी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में मुफ्त नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

महाराष्ट्र की "आपला दवाखाना" पहल के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में एचएलएल की भूमिका के साथ इस साझेदारी का विस्तार हुआ है। वर्तमान में, 30 आपला दवाखाना क्लिनिक ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नागपुर और नासिक में कार्यरत हैं। इन क्लिनिकों का शुभारंभ 25 अप्रैल, 2025 को उप मुख्यमंत्री श्री अजीत पवार और स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रकाशराव अबितकर द्वारा किया गया। कामकाजी आबादी को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए, क्लिनिक दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक चालू होते हैं। भविष्य में, मई 2025 को प्रचालन शुरू होनेवाले 103 अतिरिक्त क्लिनिकों का अगला विस्तार है।

एचएलएल महाराष्ट्र के श्रम विभाग के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच और नैदानिक सेवाएं भी प्रदान करता है। आपला दवाखाना क्लिनिक निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, दवाइयां, लैब टेस्ट और अन्य उपचार सेवाएं प्रदान करते हैं। यह पहल पूरे महाराष्ट्र के वंचित ग्रामीण और शहरी झुग्गी समुदायों पर केंद्रित है। एचएलएल ने कमज़ोर आबादी की स्वास्थ्यरक्षा में सुधार लाने के लिए राज्य सरकार के श्रमों का समर्थन करता है। यह नयी महाराष्ट्र परियोजना विस्तारित स्वास्थ्यरक्षा पहूँच के लिए एचएलएल के विज़न 2030 लक्ष्य के साथ संरेखित करती है।

एचएलएल - अमृत फार्मेसीज़

एचएलएल ने केरल में स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तीन केंद्रों - वलियमला, वट्टियूरकाव, तुंबा और आलुवा - में अमृत (उपचार के लिए किफ़ायती दवाइयाँ और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फ़ार्मेसीज़ खोली हैं। इन फ़ार्मेसीज़ का उद्देश्य, इसरो के कर्मचारियों और उनके परिवारों को दवाइयाँ और चिकित्सा आपूर्तियाँ अधिक किफ़ायती और सुलभ बनाना है। यह विस्तार एचएलएल की हीरक जयंती पहल का हिस्सा है, जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में 60 वर्षों की सेवा रेखांकित करता है।

इसरो के द्रव नोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) वलियमला में अमृत फार्मेसी का उद्घाटन एलपीएससी के सह निदेशक श्री आर हटन ने किया। वट्टियूरकावु और तुंबा में स्थित आउटलेटों का उद्घाटन क्रमशः इसरो की इनेर्शयल प्रणाली यूनिट के निदेशक श्री पद्मकुमार ई.एस और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक श्री उण्णिकृष्णन नायर द्वारा किया गया।

इसरो के कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके परिवार वालों सहित लगभग 38,000 व्यक्तियों को इन आउटलेटों से लाभ मिलने की उम्मीद है। इसरो ने एक क्रेडिट सुविधा भी शुरू की है, जिससे कर्मचारी केरल भर के एचएलएल फार्मेसी एंड सर्जिकल्स, एचएलएल ऑप्टिकल्स और अमृत फार्मेसीज़ सहित एचएलएल के किसी भी रिटेल आउटलेट्स से दवाइयाँ और उत्पाद खरीद सकते हैं।

श्री जे. पी. नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री द्वारा 15 नवंबर 2015 को एम्स, नई दिल्ली में अमृत फ़ार्मेसीज़ का उद्घाटन किया गया। अब इसके दसवें वर्ष में, अमृत नेटवर्क ने पूरे भारत में 240 से ज़्यादा आउटलेट्स खोला है।

अमृत चेइन उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है, जिसमें ऑन्कोलॉजी और कार्डियोलॉजी के लिए विशेष दवाएँ, स्टेंट, ऑर्थोपेडिक इम्प्लांट, मेडिकल डिस्पोजेबल, और विभिन्न प्रकार की ब्रांडेड एवं जेनेरिक दवाएँ एमआरपी से 50% तक की छूट पर उपलब्ध हैं। अमृत फ़ार्मेसीज़ देश भर के सभी एम्स परिसरों और अन्य राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में भी संस्थापित हैं। इस नेटवर्क से 6,500 से अधिक दवाएँ और चिकित्सा उत्पाद उपलब्ध हैं। आज तक, 66.21 मिलियन मरीज़ लाभान्वित हुए हैं और एमआरपी पर वितरित दवाओं का कुल मूल्य ₹16,182.59 करोड़ है। इन उत्पादों का बिक्री मूल्य ₹8,005.06 है, जिससे मरीजों को रु. 7,975.91 करोड़ की बचत हुई है। 240 स्टोरों के साथ, अमृत नेटवर्क ने अब तक 1,760 लोगों को रोजगार दी है।

अमृत 2.0

एक दशक के लिए किफायती जीवनरक्षा समाधानों की मजबूत पहल

एचएलएल ने अपने हीरक जयंती वर्ष और अमृत पहल का एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में, अपनी प्रमुख किफायती फार्मेसी श्रृंखला, अमृत (उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय उपकरण) के लिए एक नूतन दृश्य पहचान पेश की है।

इस उन्नयन के भाग के रूप में, सुलभ और किफ़ायती स्वास्थ्यरक्षा के प्रति एचएलएल की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए अमृत फ़ार्मेसियों को एक नई ब्रांड पहचान दी गई है । डॉ. अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने 24 अप्रैल 2025 को वार्षिक विपणन सम्मेलन के सिलसिले में आयोजित एक विशेष समारोह में श्री अजीत एन, निदेशक (विपणन) की उपस्थिति में नए लोगो और विज़ुअल पहचान का औपचारिक रूप से अनावरण किया। इस अवसर पर डॉ. अनिता तंपी ने अपने भाषण में कहा, "अमृत की रीब्रांडिंग विश्वसनीयता, वहनीयता और वर्द्धित पहुंच के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अमृत नाम विश्वास के हमारे शाश्वत वादे को दर्शाता है, जो हमारी यात्रा में एक नया अध्याय अंकित करता है।"

श्री अजीत एन, निदेशक (विपणन) ने कहा - "अमृत का नया रूप सुसंगत बने रहने और लोगों से जुड़े रहने के हमारे निरंतर प्रयास को दर्शाता है। यह दृश्यता में सुधार, विश्वास का निर्माण और किफायती और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा समाधानों के साथ अधिक समुदायों तक पहुँचने के हमारे फोकस को दर्शाता है।" इस अवसर पर श्री बेन्नि जोसफ़, वीपी & जीएच (फार्मा) तथा अमृत फार्मेसीज़ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं टीम के सदस्य उपस्थित थे। 2015 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एचएलएल द्वारा कार्यान्वित एक पहल के रूप में संस्थापित होने से, अमृत फार्मेसियों ने विशेषतः आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को गंभीर बीमारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाएं, चिकित्सा उपाय एवं उपकरण उच्च किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस ब्रांड परिवर्तन के साथ, एचएलएल ने देश भर में अमृत फार्मेसी नेटवर्क को मजबूत करने और विस्तारित करने की ओर महत्वाकांक्षी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की है। एम्स, जिप्मर जैसे प्रमुख संस्थानों और मुख्य सरकारी अस्पतालों में पहले से ही 220 से अधिक आउटलेट चालू हैं, जिससे कंपनी का लक्ष्य है, करोडों लोगों तक किफायती स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए अपनी श्रृंखला को विस्तार करना । अमृत का नया चरण, भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा सुलभता लक्ष्यों के अनुरूप, होम डिलीवरी, बेहतर उत्पाद उपलब्धता, डिजिटल एकीकरण और व्यापक उपस्थिति सहित बेहतर ग्राहक अनुभव पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

अमृत+

उपचार के लिए किफायती दवायें और विश्वसनीय प्रत्यारोपण

का प्रभाव एक नज़र में

- गंभीर बीमारियों के लिए जीवनरक्षक दवाइयां और उपकरण 50% तक की छूट पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
- रु.13104 करोड़ मूल्य की दवाइयों और स्वास्थ्य रक्षा संबंधी उत्पादों से 600 लाख मरीजों को लाभान्वित किया गया।
- मरीजों को लगभग रु.6500 करोड़ की बचत हुई।
- 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेश
- 1,700 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोज़गार का सृजन किया गया ।

नए लोगो में 'अमृत' शब्द के ऊपर कैप्सूल और मेडिकल क्रॉस रखा गया है। वाइब्रेंड लाल और हरे रंग में प्रस्तुत नवीनीकृत पहचान, उद्यम के मुख्य मूल्यों को दर्शाती है: लाल रंग उत्साह, गति और निर्भरता का प्रतीक है, जबकि हरा रंग पर्यावरण मित्रता, विश्वसनीयता और विकास का प्रतिनिधित्व करता है। अमृत का संचालन एचएलएल के रीटेल व्यवसाय प्रभाग द्वारा किया जाता है, जो देश भर में एचएलएल फार्मेसी और एचएलएल ऑप्टिकल्स नेटवर्क का प्रबंधन भी करता है।

पीजीआईएमईआर में प्रदर्शित एचएलएल समर्थित भीष्म क्यूब

आपातकालीन चिकित्सा तैयारी को बढ़ाने के लिए भारत की नई कोशिश, भीष्म क्यूब, 10 जून 2025 को चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर चिकित्साशिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) में प्रदर्शित की गई। भीष्म क्यूब, एक पोर्टेबल मेडिकल रिस्पॉन्स यूनिट है, जिसे आपदा वाले इलाकों में जान बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आरोग्य मैत्री पहल के तहत पेश किया गया भीष्म क्यूब, देश की तैयारी और दुनिया भर में मानवीय कामों में भारत की बढ़ती भूमिका की ओर एक कदम है।

यह प्रदर्शन एचएलएल के नेतृत्व में राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का एक हिस्सा था। पीजीआईएमईआर इस साल इस इवेंट का आयोजन करने वाला नौवां संस्था है। एचएलएल के रक्षा फार्मा प्रभाग के परामर्शदाता, एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) तन्मय रॉय ने इस इवेंट का नेतृत्व किया। डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और आपातकाल में मदद करने वालों सहित 200 से ज़्यादा लोगों ने यह प्रदर्शन देखा और प्रशिक्षण में भाग लिया। मिस्टर रॉय ने कहा, "इस तरह का हर प्रदर्शन हमें यह पक्का करने में मदद करता है कि समय पर देखभाल की कमी के कारण किसी की जान न जाए।" "भीष्म क्यूब, तकनीकी और व्यावहारिक तत्परता दोनों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

भीष्म क्यूब एक ठोस, संयमी आपातकालीन चिकित्सा यूनिट है। इसका वज़न 20 किलोग्राम से कम है और यह इतना छोटा है कि एक व्यक्ति इसे ले सकता है। क्यूब को हवा, ज़मीन, समुद्र या ड्रोन से त्वरित प्रविस्तारण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी क्षमताओं में 200 तक घायलों को बुनियादी चिकित्सा देखभाल करना और एक दिन में 15 छोटी सर्जरी करना शामिल है। यह बिल्ट-इन पावर और ऑक्सीजन सिस्टम की वजह से अपने आप चालू होता है। क्यूब में आरएफआईडी तकनीकी के साथ रियल-टाइम इन्वेंट्री ट्रैकिंग और 180 से ज़्यादा भाषाओं में अनुदेश वाला एक बहुभाषी ऐप जैसे स्मार्ट खूबियाँ भी हैं। इस यूनिट को फील्ड में टेस्ट किया गया है और यह पानी, जंग और खराब मौसम से बचाता है। ये खूबियाँ इसे घरेलू आपदा से निपटने और अंतर्राष्ट्रीय राहत प्रयासों, दोनों के लिए उपयुक्त बनाती हैं।

इस साल की शुरुआत में, भारत ने मानवीय सहायता के तहत यूक्रेन को चार भीष्म क्यूब्स दिए थे। मिस्टर रॉय सहित भारतीय चिकित्सा और तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम यूक्रेन गए थे ताकि स्थानीय रेस्पॉन्डर्स के लिए लाइव प्रदर्शन और प्रशिक्षण आयोजित कर सके। इस कार्यक्रम के ज़रिए 2,000 से ज़्यादा स्वास्थ्य रक्षा पेशेवरों को प्रशिक्षण दी गई है, और आने वाले महीनों में अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों में प्रदर्शनों की योजना बनाई है। पीजीआईएमईआर में यह इवेंट आपातकालीन कर्मचारी के लिए व्यक्तिगत प्रशिक्षण सत्र के साथ समाप्त हुआ। यह भारत सरकार के भीष्म क्यूब को संस्थागत आपातकालीन प्रोटोकॉल का एक मानक हिस्सा बनाने की योजना का समर्थन करता है।

भारत, दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी का घर

एचएलएल की महत्वपूर्ण भूमिका

भारत में 25 वर्ष से कम आयु के 600 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, जो इसे विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी में से एक बनाता है । इस जनसांख्यिकीय के लिए परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना संतुलित जनसंख्या वृद्धि और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है ।

एचएलएल 1966 में अपनी स्थापना के बाद से भारत की परिवार नियोजन पहलों में प्रमुख योगदानकर्ता रहा है। इसने गर्भनिरोधक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला बनाया है, जिसमें कंडोम, मौखिक गर्भनिरोधक गोलियाँ, नॉन-स्टिरोइटल ओसीपी, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोलियाँ, कॉपर-टी, ट्यूबल रिंग, महिला कंडोम और हार्मोन-रिलीजिंग इंट्रायूटरीन सिस्टम शामिल हैं । एचएलएल भारत भर में कई विनिर्माण सुविधाओं का प्रचालन करता है, केरल में पेरूरकड़ा, आक्कुलम, काक्कनाड और ऐरापुरम, तथा कर्नाटक में कनगला, जहाँ प्रतिवर्ष मिलियन गर्भनिरोधकों की आपूर्ति करता है ।

अपने उत्पादों और वितरण नेटवर्क के माध्यम से, एचएलएल समाज के सभी वर्गों के लिए किफायती और सुलभ प्रजनन स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए कई सरकारी योजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है । एचएलएल की पहुँच को इसके एनजीओ-हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी) द्वारा और मजबूत किया गया है, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जागरूकता अभियान, सामुदायिक स्तर के कार्यक्रम और क्षमता निर्माण पहलों को कार्यान्वित करता है । विनिर्माण, उत्पाद नवाचार और सक्रिय क्षेत्रीय सहभागिता को संयोजित करके, एचएलएल सूचित परिवार नियोजन विकल्पों को सक्षम करने, जिम्मेदार जनसंख्या प्रबंधन का समर्थन करने और भारत के युवाओं के स्वास्थ्य और कल्याण में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

स्वास्थ्य - महिलाओं में एनीमिया निपटने की एक पहल

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और एचएमए की संयुक्त सीएसआर परियोजना

एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए), एचएलएल का शैक्षिक और सामाजिक विकास प्रभाग, ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सहयोग से प्रजनन आयु की महिलाओं में एनीमिया की विद्यमान समस्या के समाधान के लिए एक नवान्वेष सीएसआर परियोजना "स्वास्थ्य" की शुरुआत की।

इस पहल के भाग के रूप में, आईओसीएल और एचएमए ने अलुवा, इडप्पल्ली, जेएलएन स्टेडियम और एर्नाकुलम दक्षिण सहित कोच्चि मेट्रो स्टेशनों पर एनीमिया जांच डेस्क स्थापित किए हैं। इन जांच डेस्कों ने महिला यात्रियों को त्वरित और सुविधाजनक एनीमिया जांच की सुविधा प्रदान की।

स्वास्थ्य का लक्ष्य एनीमिया के मामलों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना तथा प्रभावित लोगों को समय पर सहायता प्रदान करना है। एनीमिया का पता लगाने के अलावा, स्वास्थ्य का उद्देश्य एनीमिया के कारणों और उचित पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इस परियोजना से केवल एर्नाकुलम जिले में लगभग 10,000 लाभार्थियों को लाभ मिला। सामाजिक विकास पहलों में एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए) की विशेषज्ञता ही स्वास्थ्य परियोजना के सफल कार्यान्वयन का कारण है।

Donato
Safe Blood for the World

HL Haemopack®
BLOOD BAG SYSTEM

एचएलएल - ब्लड बैग

गुणवत्ता और विश्वसनीयता के प्रति प्रतिबद्ध

एचएलएल, वर्ष 1990 की शुरुआत से ही उच्च गुणवत्ता वाले ब्लड बैग सिस्टम का अग्रणी प्रदाता रहा है। तिरुवनंतपुरम के आक्कुलम में स्थित एचएलएल की अत्याधुनिक फैक्टरी यह सुनिश्चित करती है कि ब्लड बैग सख्त गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हुए सुरक्षित और विश्वसनीय रक्त आधान के लिए जीवन रेखा प्रदान करता है।

हाल ही में एचएलएल को मानव रक्त और रक्त घटकों के लिए प्लास्टिक कोलाप्सिबिल कंटेनरों को आईएस/आईएसओ 3826 -1:2019 के लिए अखिल भारतीय प्रथम लाइसेंस प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, एचएलएल भारत में ब्लड बैग के लिए सख्त मानकों का अनुपालन करने वाला पहला निर्माता बन गया है।

एचएलएल स्वास्थ्य रक्षा सुविधाओं की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई ब्लड बैग प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। उत्पाद लाइनअप में 100 मिली लीटर से 500 मिली लीटर तक की क्षमता वाली यूनिट, दोहरे, तिहरे और चौगुने बैग शामिल हैं। इन ब्लड बैगों में ल्यूकोडिप्लेशन फिल्टर, सैंपलिंग पोर्ट, डायवर्जन बैग, सुई चोट रक्षक और ऑटोलॉगस ब्लड बैग विकल्प जैसी विशेष सुविधाएं शामिल हैं।

एचएलएल हीमोपैक ब्लड बैग सिस्टम

उच्च गुणवत्ता वाली पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) सामग्री से एचएलएल द्वारा विनिर्मित एचएलएल हीमोपैक ब्लड बैग सिस्टम रक्त आधान के दौरान होने वाली कठिनाइयों को झेलने की ओर लचीलापन, मजबूती और टिकाऊपन सुनिश्चित करता है। यह सिस्टम रक्त आधान सेवाओं में गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए उच्चतम आईएसओ 3826 मानकों का अनुपालन करता है।

डोनाटो ब्लड बैग सिस्टम

2010 में शुरू की गई डोनाटो ब्लड बैग सिस्टम, जीवन बचाने में ब्लड बैग की महत्वपूर्ण भूमिका दर्शाती है। इन बैगों का नाम डोनाटो रखा गया है, जिसका अर्थ है ईश्वर का उपहार, तथा इनमें एकल, बहुल तथा ऊपर और नीचे के ब्लड बैगों की श्रृंखला शामिल है, जो विशेष रूप से समकालीन रक्त आधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। अल्ट्रा-पतली 16 जी सुइयों, पुनःकैप करने योग्य सुई कवर, इनलाइन सैंपलिंग सिस्टम, पिंच क्लैंप, टॉपर-एविडन्ट टेबल और ट्रांसफ्यूजन पोर्ट कवर जैसी सुविधाओं से सुसज्जित, डोनाटो ब्लड बैग्स गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का अनुपालन करते हैं।

गुणवत्ता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता

एचएलएल के ब्लड बैग सिस्टम गुणवत्ता और सुरक्षा के प्रति अत्यंत समर्पण के साथ विनिर्मित किए जाते हैं। आक्कुलम फैक्टरी में 10,000 क्लीन रूम हैं, जो उत्पादन प्रक्रिया के लिए एक नियंत्रित और रोगाणुरहित वातावरण सुनिश्चित करते हैं। हर चरण में सख्त गुणवत्ता नियंत्रण उपाय लागू किए जाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक ब्लड बैग उच्चतम उद्योग मानकों का अनुपालन करता है।

प्रकृति का सम्मान - एचएलएल की सतत पहल

एचएलएल ने लगातार यह दर्शाया है कि स्वास्थ्यरक्षा नवाचार, पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के अनुकूल लागू किया जा सकता है। पर्यावरण अनुकूल उत्पाद डिज़ाइन से लेकर कुशल विनिर्माण और अपशिष्ट प्रबंधन तक, हरित प्रथाएं इसके मुख्य संचालन के हिस्से हैं। प्रमुख पहलों में सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन, ज़िम्मेदार पैकेजिंग और उन्नत जैव-चिकित्सा अपशिष्ट समाधान शामिल हैं। एचएलएल को इन प्रयासों के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार सहित राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई मान्यताएं भी प्राप्त हुई हैं।

हाल ही में, कंपनी ने अपने हरित प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए एक विशेष सतत परियोजना प्रभाग का शुभारंभ किया है और एक स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत करने के लिए 'सस्टेनएड' जैसी परियोजनाएं शुरू की हैं।

सतत परियोजना प्रभाग (एसपीडी) हरित प्रौद्योगिकियों, नवाचार और समुदाय-आधारित प्रयासों के माध्यम से पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह व्यावहारिक समाधानों पर काम करता है जो विकास लक्ष्यों का समर्थन करते हुए पर्यावरण की रक्षा में मदद करते हैं।

एसपीडी के प्रमुख ध्यान केंद्रित क्षेत्र -

- **नवीकरणीय ऊर्जा**

एसपीडी सौर ऊर्जा प्रणालियों, हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं, जैव ऊर्जा प्रणालियों, पवन ऊर्जा और लघु जलविद्युत परियोजनाओं को कार्यान्वित करके स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देता है।

- **हरित नवाचार और प्रौद्योगिकी**

यह प्रभाग पर्यावरण अनुकूल निर्माण, हरित प्रमाणन परामर्श, सतत प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार केन्द्रों के निर्माण के लिए समर्थन करता है।

- **प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण**

एसपीडी जागरूकता कार्यक्रमों और कौशल विकास के माध्यम से संस्थाओं, स्थानीय निकायों और समुदायों को सतत प्रथायें अपनाने के लिए प्रशिक्षित करता है।

- **ऊर्जा दक्षता और संसाधन संरक्षण**

एसपीडी लागत में कटौती और पर्यावरण क्षति को कम करने के लिए स्मार्ट ऊर्जा उपयोग और कुशल संसाधन प्रबंधन को प्रोत्साहित करता है।

- **अपशिष्ट प्रबंधन और वृत्ताकार अर्थव्यवस्था**

यह अपशिष्ट को मूल्य में बदलने के लिए सामग्रियों के पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और पुनर्प्राप्ति द्वारा जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देता है।

- **पानी और सफ़ाई व्यवस्था**

समुदायों, स्वास्थ्य रक्षा केंद्रों और सार्वजनिक क्षेत्रों के लिए स्वच्छ जल और सुरक्षित स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना।

- **नदी पुनरुद्धार**

एसपीडी उन परियोजनाओं का समर्थन करता है जो नदियों के स्वास्थ्य को बहाल करती हैं, स्वच्छ जल सुनिश्चित करती हैं, जैव विविधता की रक्षा करती हैं और जलवायु लचीलापन का निर्माण करते हैं।

• स्वच्छ वायु परियोजनाएँ

स्वच्छ वायु जन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। एसपीडी स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए उत्सर्जन और प्रदूषण को कम करने पर काम करता है।

एसपीडी पूरे भारत में अपने हरित प्रयासों का विस्तार करने की योजना तैयार करता है। भविष्य की योजनाओं में शामिल हैं:

• 100 से अधिक नगरों और शहरी स्थानीय निकायों में शून्य-अपशिष्ट मॉडल विकसित करना।
• सतत शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म बनाना।
• नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिष्ठानों में 50% की वृद्धि।
• अपशिष्ट और जल प्रबंधन में एआई और नूतन प्रौद्योगिकियों का उपयोग।
• शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जलवायु-लचीले अवसंरचना को बढ़ावा देना।

एसपीडी के शुभारंभ के साथ, एचएलएल ने अधिक सतत एवं स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक साहसिक और समयोचित कदम उठाया है।

थिंकल परियोजना

एचएलएल की थिंकल परियोजना, नवाचार और स्थिरता के प्रति एचएलएल की प्रतिबद्धता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन में एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला थिंकल, महिलाओं को सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करता है। सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में 10.73 लाख से ज़्यादा मासिक धर्म कप वितरित करके, यह पहल स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करती है। इसने लगभग 10,000 टन सैनिटरी नैपकिन अपशिष्ट और 13,250 टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद की है। केरल की चौदहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त और एयर इंडिया तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन जैसी प्रमुख कंपनियों द्वारा समर्थित, थिंकल, सतत प्रथाओं और पर्यावरण रक्षा के प्रति एचएलएल के समर्पण को उजागर करता है।

'सस्टेनएड' परियोजना

'सस्टेनएड' एचएलएल की एक और अनूठी पर्यावरण-अनुकूल पहल है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों को एकीकृत करना है। तिरुवनंतपुरम के कॉटन हिल गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में लागू किए गए पहले चरण में एक अग्रणी पहल की शुरुआत हुई, जहाँ छात्रों ने निपटान योग्य प्लास्टिक कलम की जगह पुनःभरणीय योग्य स्याही कलम का इस्तेमाल शुरू किया, जिससे प्लास्टिक कचरे में उल्लेखनीय कमी आई। इस परियोजना में एक स्याही डिस्पेंसर, जैविक अपशिष्ट उपचार के लिए 15 घन मीटर का बायोगैस संयंत्र, अजैविक अपशिष्ट के लिए विशेष डिब्बे, स्वच्छ जल डिस्पेंसर और सैनिटरी पैड निपटान के लिए एचएलएल द्वारा विकसित इनसिनरेटर भी शामिल हैं। युवाओं में पर्यावरण-अनुकूल आदतें विकसित करके, एचएलएल का लक्ष्य पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों की एक नई पीढ़ी तैयार करना है।

औषधीय उद्यान

तिरुवनंतपुरम के आक्कुलम में स्थित कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केंद्र में, एचएलएल एक समृद्ध औषधीय उद्यान का रखरखाव करता है, जिसमें 100 से अधिक औषधीय पौधों की प्रजातियां उगाई जाती हैं, जिनका उपयोग अनुसंधान और आंतरिक उत्पादों के विकास के लिए किया जाता है। इन प्रयासों के साथ, एचएलएल स्वास्थ्य सेवा को अधिक सतत बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, तथा यह साबित कर रहा है कि नवाचार और पर्यावरणीय रक्षा साथ-साथ लागू किया जा सकता है।

मान्यता एवं उपलब्धियाँ

श्री वी. कुट्टप्पन पिल्लै, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (टी&ओ & जीबीडीडी), एचएमए की ओर से एफई स्वास्थ्य रक्षा पुरस्कार 2025 हासिल करते हैं। इस समारोह में टीम सदस्य श्री षंनाद (डीवीपी & प्रभाग प्रधान, एचएमए), डॉ. कृष्णा एस.एच., श्रीमती पद्मश्रुति और श्रीमती आरती उपस्थित थे।

इंडियन हैबिटेट सेंटर, दिल्ली में आयोजित स्कॉच सम्मेलन में अमृत को स्वास्थ्य श्रेणी में रजत पुरस्कार प्राप्त हुआ।

स्वास्थ्यरक्षा सीएसआर में एचएलएल के उत्कृष्ट योगदान को मानते हुए, स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर कार्यकलाप के लिए संस्थापित 'एशियानेट स्पेशल मेंशन जूरी अवार्ड' एचएलएल की तरफ से हासिल करते हैं श्री वी. कुट्टप्पन पिल्लै, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (टी & ओ) & मुख्य सतर्कता अधिकारी।

श्री जोसफ सावी के जे, सह उपाध्यक्ष प्रभारी & व्यवसाय प्रधान (स्वास्थ्यरक्षा सेवा) 08 अक्टूबर 2025 को आईटीसी मौर्या, नई दिल्ली में "रोगी सुरक्षा में उत्कृष्टता" श्रेणी के तहत हिंदलैब्स के लिए 17वां फिक्की उत्कृष्ठ स्वास्थ्य रक्षा पुरस्कार 2025 हासिल करते हैं। यह पुरस्कार श्री राजीव गौबा, सदस्य, नीति आयोग और पूर्व कैबिनेट सचिव, भारत सरकार द्वारा श्री सी.के मिश्रा, पूर्व सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

पेरूरकडा फैक्टरी ने 19 दिसंबर 2025 को इंजीनियरिंग, विनिर्माण और प्रसंस्करण के क्षेत्र में आईईआई औद्योगिक उत्कृष्टता पुरस्कार हासिल किया।

केएफबी को 19 दिसंबर 2025 को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, कोलकत्ता द्वारा उद्योग उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

केएफसी को 16 दिसंबर 2025 को केरल राज्य उत्पादकता परिषद से एमकेके नायर उत्पादकता पुरस्कार 2025 प्राप्त हुआ।

एचएलएल समाचार

डॉ. अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री जे.पी. नड्डा माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार को 69.53 करोड़ रुपये का लाभांश चेक श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव आईएएस, सचिव, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), श्री होवेदा अब्बास, एएस एवं एफए और श्री विजय नेहरा- संयुक्त सचिव की उपस्थित में सौंपती हैं। श्री एन. अजीत, निदेशक (विपणन) और श्री रमेश पी., निदेशक (वित्त) और एचएलएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एबिल इको सेफ फोरम और स्वास्थ्य काउंसलिंग वेल्नेस सेंटर द्वारा 29 मई 2025 को 'हेविया 2025' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

श्री टोम बी मात्यु, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) & यूनिट मुख्य, केएफबी, 01 मई 2025 को मई दिवस के सिलसिले में विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए विशेष उपहार और निष्पादन पुरस्कार वितरण करते हैं।

डॉ. अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, 18 नवंबर 2025 को सीएचओ में प्रतीक्षा छात्रवृत्ति वितरित करती हैं। इस साल 28 छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई।

हिंदलैब्स द्वारा विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के सिलसिल में, महाराष्ट्र और कोलकत्ता में निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया गया । 17 मई 2025 को आयोजित इस शिविर में जागरूकता बढ़ाने और शीघ्र पहचान के लिए समर्थन की ओर रक्तचाप और लिपिड प्रोफाइल की जांच की पेशकश हुई।

श्रीमती एल. जी. स्मिता, कार्यपालक निदेशक (प्रचालन) & यूनिट मुख्य 06 मई 2025 को मानव संसाधन विभाग द्वारा 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करती हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अधीन आवश्यक दवाओं की आपूर्ति के लिए मालदीव सरकार के राज्य व्यापार संगठन (एसटीओ) के साथ 08 मई 2025 को समझौते पर हस्ताक्षर किया।

एचएलएल ने भारत की पीएमबीजेपी योजना के तहत आवश्यक दवाओं की आपूर्ति के लिए मालदीव सरकार के राज्य व्यापार संगठन (एसटीओ) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते पर श्री बेन्नी जोसफ वीपी & जीएच (फार्मा) और श्री शिमद इब्राहिम, सीईओ, एसटीओ मालदीव ने 8 मई, 2025 को हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में डॉ अनिता तंपी, सी & एमडी, एचएलएल, एसटीओ और मालदीव सरकार के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल के माध्यम से उपस्थित हुए।

श्री पिणरायी विजयन, केरल के माननीय मुख्यमंत्री, 09 अगस्त 2025 को केरल की पहली ग्रीन बजट रिपोर्ट महापौर श्रीमती आर्या राजेंद्रन को देकर इसका लॉन्च करते हैं। एचएलएल के सतत परियोजना प्रभाग द्वारा विकसित यह रिपोर्ट उन बजट पर प्रकाश डालती है जो कार्रवाई योग्य जलवायु-अनुकूल नीतियों को बढ़ावा देते हैं।

एचएलएल ने 20 नवंबर 2025 को एनएएसएससीओएम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। यह एचएलएल कर्मचारियों को, एनएएसएससीओएम फ्यूचर स्किल्स प्राइम ई-लर्निंग पोर्टल, एनएएसएससीओएम और एमईआईटीवाई की एक संयुक्त डिजिटल कौशल पहल, के माध्यम से विभिन्न तकनीकी और व्यवहारिक पाठ्यक्रमों तक पहुंचने में सक्षम करेगा।

एचएमए ने 26 सितंबर 2025 को मलप्पुरम जिले में 4,000 किशोरियों के लिए विशेष मासिक धर्म कप जागरूकता और वितरण कार्यक्रम आयोजित किया।

डॉ. अनिता तंपी विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एचएलएल वॉकथॉन 2025 का उद्घाटन करती हैं। श्री अजीत एन, निदेशक (विपणन), श्री रमेश पी, निदेशक (वित्त) को भी देखा जाता है।

25 सितंबर 2025 को कौशल विकास और मानसिक स्वास्थ्य के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सशक्त बनाने वाली एक सीएसआर पहल 'एकत्व' का शुभारंभ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

सीएचओ / CHO

एएफटी / AFT

आईएफसी / IFC

पीएफटी / PFT

केएफबी / KFB

केएफसी / KFC

नोएडा / Noida

नराकास (उपक्रम) को नराकास राजभाषा सम्मान

क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) का श्रीगणेश वर्ष 2015 को हुआ। नवीनतम एवं नवाचार हिंदी कार्यकलाप आयोजित करने के फलस्वरूप टोलिक (उपक्रम) को हर साल केंद्र गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के केंद्र सरकार, उपक्रम एवं बैंक के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संस्थापित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मान मिल रहा है। यहाँ उल्लेखवीय बात यह है कि वर्ष 2024-25 के क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान (प्रथम स्थान) के लिए टोलिक (उपक्रम) को विनिर्णीत किया गया है। 20.01.2026 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिणी क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में आदरणीय केंद्र गृह राज्य मंत्री श्री बांडी संजय कुमार से डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम) ने, डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल एवं अध्यक्ष, टोलिक (उपक्रम) की तरफ से, क्षेत्रीय नराकास राजभाषा सम्मान एवं राजभाषा अधिकारी के लिए प्रशस्ति - पत्र स्वीकार किया।

नराकास प्रोत्साहन सम्मान (राष्ट्रीय स्तर)

राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2024-25 के दौरान राजभाषा कार्यनिष्पादन में उल्लेखनीय कार्य करनेवाले नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को प्रेरणा व प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार संस्थापित किया गया। इस प्रकार, राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में नरकास (उपक्रम) को केंद्र सरकार द्वारा प्रशंसनीय श्रेणी में नराकास प्रोत्साहन सम्मान (राष्ट्रीय स्तर) से सम्मानित किया गया है। 15 सितंबर 2025 को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में डॉ.सुरेष कुमार.आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एचएलएल एवं सदस्य सचिव, नराकास (उपक्रम) ने, डॉ.अनिता तंपी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एचएलएल एवं अध्यक्ष, टोलिक (उपक्रम) की तरफ से, डॉ.अंशुली आर्या आईएएस, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली से नराकास प्रोत्साहन सम्मान और राजभाषा अधिकारी के लिए प्रशस्ति - पत्र हासिल किया।

लेख प्रतियोगिता में पुरस्कृत

रोशन चंद्रकांत शेलार
सुविधा सहायक
मुंबई कार्यालय

कला

कला जिसे अंग्रेज़ी भाषा में "आर्ट" के नाम से भी जाना जाता है। 'कला" क्या है, इसका सही जवाब दे पाना सरल नहीं है। कला का अर्थ अभी तक निश्चित नहीं हो पाया है, यद्यपि इसकी हज़ारों परिभाषाएं की गयी है। भारतीय परंपरा के अनुसार कला उन सारी क्रियाओं को कहते हैं जिनमें कौशल अपेक्षित हो । यूरोपीय विद्वानों ने भी कला में कौशल को महत्वपूर्ण माना है। कला एक प्रकार का कृत्रिम निर्माण है, जिसमें शारीरिक और मानसिक कौशलों का प्रयोग होता है। सीधे शब्दों में कहें तो, आम तौर पर मानव द्वारा उसकी दिमाग में चल रही हज़ारों प्रकार की कल्पनाओं को अन्य सभी भाई बंधुओं के सामने दिखाने की क्रिया को ही "कला' या "आर्ट" बोलते हैं।

अब जैसा की आपको पता ही होगा कि मानव बुद्धि हमेशा से ही रचनात्मक रही है। वो अलग बात है कि उस रचनात्मक बुद्धि को हमारी वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली के द्वारा चाट लिया जाता है और दिमाग में बच जाता है तो सिर्फ और सिर्फ भूषा। अगर कुछ गिने चुने जिद्दी लोग इससे बच निकले हैं तो वो अपने बुद्धि का सही उपयोग भी सीख लेते हैं, और वो अपनी कला को अलग-अलग रूपों में सामने लाते हैं। जैसे संगीत के रूप में , कुछ नृत्य के रूप में, कुछ वाध्य यंत्र बजाने के रूप में, कुछ मूर्ति एवं शिल्प कला के रूप में, तो कुछ चित्र कला के रूप में, कविताएं, फिल्म निर्माण, फोटोग्राफी, पेंटिंग आदि। कला एक ऐसी बहुमूल्य संपत्ति है जो होती तो सभी के पास है पर इसका अभ्यास हर किसी को नहीं होता है और अगर हो भी जाये तो कभी-कभी अपनों के द्वारा या कभी परायों के द्वारा दबा दिया जाता है, और मजबूर किया जाता है उसे बाडियों के संत भेड़ चाल चलने को।

"कला आपकी भावनाओं का एक प्रवाह है जो कल्पना की नदी में बहता है ।" यदि आप किसी कलाकृति के सामने एक पल के लिए खडे हो जाते हैं, जिसमें कई आकृतियाँ और कई रेखाएं हैं जिन्हें वर्णित नहीं किया जा सकता है, तो आप उन रेखाओं और आकृतियों पर चलते हुए चीज़ों का कल्पना करना शुरू कर देते हैं और अपनी कल्पना से एक विशिष्ट आकृति बनाने के लिए उन्हें जोडने की कोशिश करते हैं। क्या होगा अगर तस्वीर सूर्योदय की हो? आप हर दुख या खुशी में अपने साथ हुई घटनाओं के बारे में सोचना शुरू कर देंगे । आजकल कोई भी कला के वास्तविक महत्व को नहीं जानता। कला पूरी दुनिया में हर जगह है, पर यह किसी की रचनात्मकता और कल्पना है। कला सबसे प्रमुख घटक है, जिसका आप हमेशा इस्तेमाल करते हैं और बिना उस पर ध्यान दिए देखते हैं।

अगर आप जानना चाहते हैं कि कला का क्या मतलब है? आपको अपने आस-पास की हर चीज़ तो देखना होगा। हर चीज़ को भी आप अपने दैनिक जीवन में इस्तेमाल करते हैं, आप देखेंगे कि आप जो भी देखते हैं, वह एक कला है, खासकर आपके कपड़े, आपके बालों का डिज़ाइन आपके जूते आदि... ये सभी कलाएं हैं। कला हमें हर चीज़ और हर किसी को पूरी तरह से अलग देखने में मदद करती है। कला कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे पढकर बोर हो जायें या सुनकर मिर्गी आ जायें। यह कुछ ऐसा है जो हमारे लिए उन चीज़ों के सवालों और

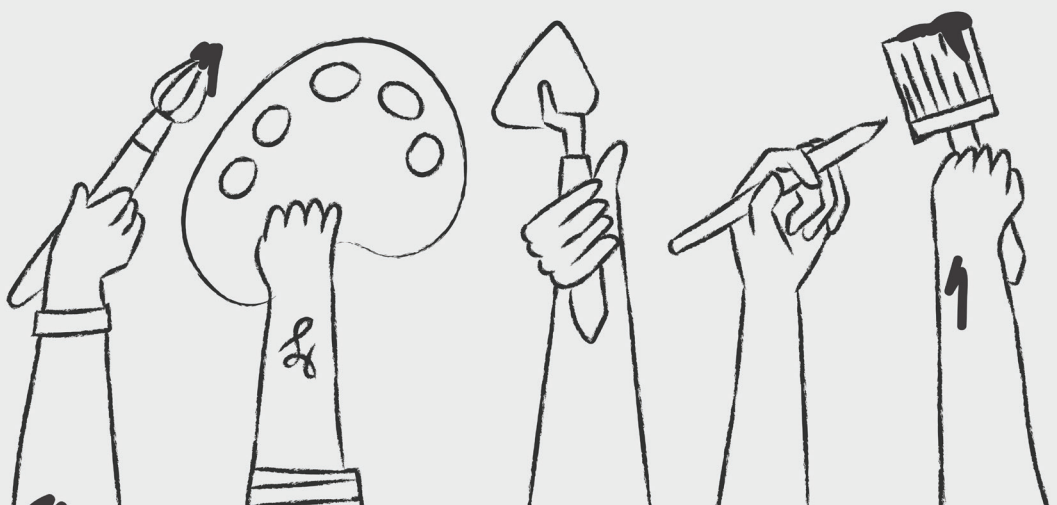

जवाबों का क्षेत्र खोलता है, जिन्हें हम देखते हैं। यह हम पर निर्भर करता है। यह सुनने, सोचने या समझने के लिए खुद को हम पर थोपता नहीं है, इसके विपरीत यह हमें एक लंबे समय से खोई हुई दुनिया, एक काल्पनिक दुनिया, विचारों के क्षेत्र में ले जाता है।

कला के दो प्रकार होते हैं। ऑडियो कला और दृश्य कला। वह इस प्रकार हैं :-

ऑडियो कला सबसे ज़यादा इस्तेमाल की जाने वाली कला है। वे संगीत, गीत या कविता के रूप में हो सकते हैं। वे किसी के दिमाग को शांत करने में मदद करते हैं। संगीत को ब्रह्मांड के सभी भावनात्मक और शारीरिक तत्वों को जोड़ने वाला माना जाता है। संगीत का इस्तेमाल व्यक्ति के मूड को बदलने के लिए भी किया जा सकता है और पाया गया है कि यह कई लोगों में एक साथ शारीरिक प्रतिक्रियाओं का कारण बनता है। कविताएँ भी ऑडियो कला का एक तीसरा प्रकार है। लेखक कविता में अपनी भावनाओं को व्यक्त करता है। वे गाने लिखने के समान हैं, और उन्हें गाया भी जा सकता है। कविता और गीत दोनों ही गाने के लिए संगीत पर निर्भर करते हैं, उन्हें मधुर आवाज़ वाले कलाकार और लेखक के दिमाग और कलम की भी जरूरत होती है। लेकिन संगीत को इनमें से किसी का भी ज़रूरत नहीं होती। संगीत को पियानो, गिटार और दूसरे अलग-अलग वाद्यों की आवश्यकता होती है।

दृश्य कलाएं लोकप्रिय कलाएं हैं। वे श्रव्य कला से भिन्न हैं। कलाकार छवियों, रंगों, विचारों को इस तरह से रखते हैं कि वे आप तक यानी दर्शक तक संप्रेषित हो सकें। जब आप काम पढेंगे तो यह कई जीवंत तरीकों से आपकी समझ को बेहतर बनाएगा। यह समझ में आने लगेगा, कुछ मामलों में एक विकृत तरह का अर्थ। एक कलाकार आपको अपने काम के इर्द-गिर्द धुमाएगा। वह आपको बताएगा कि क्या दिखना है और किस क्रम में। दृश्य कलाओं, पेंटिंग, फोटोग्राफी, फिल्म निर्माण में, देखने का कोई विकल्प नहीं है। भावनात्मक रंग के विभिन्न सिद्धांत, जो आम तौर पर दर्शक के लिए अज्ञात होते हैं, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सिद्धांत क्या हैं? खतरे के लिए लाल, मौत और रुग्णता के लिए काला, कम से कम पश्चिमी दुनिया में, दूसरा अधिक स्पष्ट है।

पेंटिंग, फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण में उपयोग किए जाने वाले उपकरण और प्रत्येक को देखने के तरीके में भिन्नता हैं। पेंटिंग कारीगर द्वारा अपने रंगों, ब्रेश और अपने व्यापक विचार का उपयोग करके चित्र बनाया जाता है। कारीगर का चित्रांकन उसके मूड़ और उसे किस तरह के रंग अधिक पसंद है, उस पर निर्भर रहता है। जबकि फोटोग्राफी का मतलब है किसी खास उपकरण, कैमरा या वीडियो का इस्तेमाल करके अद्भुत तस्वीरें खींचना। फिल्म बनाने के लिए न तो रंगों की ज़रूरत होती है। उन्हें अभिनय के लिए एक कहानी की ज़रूरत होती है। साथ ही, इसके लिए लेखक और अभिनेता की भी ज़रूरत होती है।

इसलिए कला सार्वभौमिक है और ये हर जगह में हैं। कला सिर्फ उन लोगों के लिए नहीं है जो कला का अभ्यास करते हैं और इसे पसंद करते हैं। यह सभी के लिए हैं। कला किसी भी चीज़ के बारे में सोचने से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। कला के बिना कोई भी चीज़ सुंदर नहीं दिखाई देती क्योंकि कला किसी भी चीज़ में आकर्षण और सुंदरता जोड़ती है जिसे कोई देख सकता है, चाहे वह खुद को ही क्यों न देख रहा हो। इसलिए कला हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कला के बिना दुनिया बहुत घृणित, उदास और ऊब जाएगी

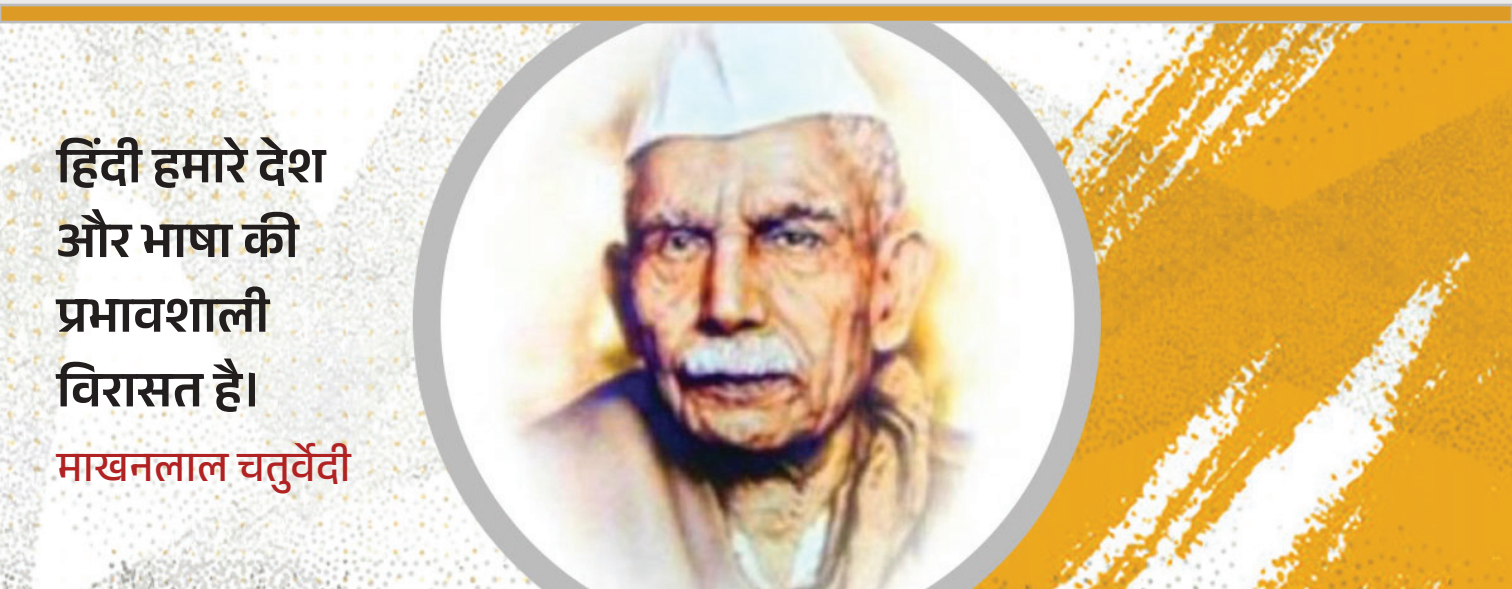

पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ

कुमारी अनुजा शर्मा
सुपुत्री योगेश कुमार शर्मा

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है । यह दिन पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित किया गया है । यह दिन हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की याद दिलाता है । वर्ष 2025 में यह दिन और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, प्रदूषण जैसी समस्याएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है ।

पर्यावरण केवल पेड-पौधों और जानवरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह वह संपूर्ण तंत्र है जिसमें हम सभी जीवित प्राणी एक-दूसरे से जुड़े हैं। शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता-इन सभी का अस्तित्व पर्यावरण पर निर्भर करता है। यदि पर्यावरण असंतुलित होता है, तो इसका सीधा असर मानव जीवन पर पड़ता है । विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमें हर दिन पर्यावरण के प्रति सचेत रहने और कार्यवाही करने का संकल्प दिलाता है । हम सभी को अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने की ज़रूरत है । यह समय है कि हम फिर से पेड़ लगाएं, जंगलों की रक्षा करें, नदियों को साफ रखे और सतत विकास की ओर कदम बढाएं । हमें यह समझना है कि पृथ्वि हमारी मातृभूमि है और इसकी रक्षा हमारा कर्तव्य है ।

पेड लगाएं : अधिक से अधिक पेड लगाना वायु प्रदूषण कम करने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करता है ।

प्लॉस्टिक का उपयोग कम करें, दोबारा उपयोग करें, रीसाइकिल करें : कचरा कम करने, चीज़ों का पुनः उपयोग करने और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है ।

ऊर्जा बचाएं : बिजली और पानी का समझदारी से उपयोग करें ।

सार्वजनिक परिवहन और साइकिल का उपयोग करें : वायु प्रदूषण से बचने के लिए साइकिल या इलक्ट्रिक वाहनों का अधिकाधिक उपयोग करें ।

जागरूकता फैलाएं : अपने आस-पास के लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना होगा ।

पर्यावरण संरक्षण किसी एक व्यक्ति या देश की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक प्रयास है जिसमें हम सभी को मिलकर काम करना होगा । विश्व पर्यावरण दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि यह पृथ्वी हमारा घर है और इसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है । आइए, संकल्प लें कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करेंगे, सम्मान करेंगे और एक हरित, स्वस्थ और स्थायी भविष्य के लिए कदम उठाएंगे ।

— एचएलएल शब्दावली —

Proposal	प्रस्ताव
Proprietary item	स्वामित्व मद
Propriety	औचित्य
Protection	संरक्षण
Protocol	नयाचार
Provide	प्रदान करना
Provided	उपबंधित
Provided that	बशर्ते है कि
Provident fund	भविष्य निधि
Provision	प्रावधान
Prudent	विवेकपूर्ण
Public	जनता
Public body	सार्वजनिक निकाय
Public Interest	लोक हित
Public issue	सार्वजनिक मुद्दा
Public Sector Enterprises	सार्वजनिक उद्यम
Public servant	लोक सेवक
Public Undertaking	सार्वजनिक उपक्रम
Publication	प्रकाशन
Publicity	प्रचार
Publisher	प्रकाशका
Punch(punching machine)	पंच करना
Punching time	पंचित समय
Purchase	क्रय/खरीद
Purchase of periodicals	पत्रिकाओं की खरीद
Purchase of trading product	व्यापारिक उत्पादों का क्रय
Purely	पूर्णतया
Purpose	कारण/उद्देश्य
Purpose of the tour	दौरे का उद्देश्य

Purview	क्षेत्र
Put up	प्रस्तुत करना
Pyrogen Test	पैरोजन परीक्षण
Quadruple Bag	चौगुनी बैग
Qualification	योग्यता
Qualifying period	अर्हकारी अवधि
Quality	गुणवत्ता
Quality Assurance	गुणवत्ता आश्वासन
Quality control	गुणवत्ता नियंत्रण
Quality Management System	गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली
Quality Policy	गुणवत्ता नीति
Quantity	मात्रा
Quantity used	उपयुक्त मात्रा
Quarterly report	त्रैमासिक रिपोर्ट
Quotation	उद्धरण/कोटेशन
Radiogram	रेडियोग्राम
Raw material	कच्चे माल
Re- deployment	पुनर्नियोजन
Realizable value	साध्य मूल्य
Realization	वसूली
Reappointment	पुनर्नियुक्ति
Re-appropriation	पुनर्नियोजन
Reason	कारण
Receivables	प्राप्य
Reasonable	उचित
Receipt	प्राप्ति
Receive	प्राप्त करना
Receiver	पाने वाला
Reception	स्वागत

— नेमी टिप्पणियाँ —

All concerned to note	सभी संबंधित नोट करें
Application may be rejected	आवेदन अस्वीकार कर दिया जाए
Bill has been scrutinized & found in order	बिल की जाँच की गयी और सही पाया गया
Best of my knowledge and belief	मेरी अधिकतम जानकारी & विश्वास के अनुसार
Comments may be obtained	टिप्पणियाँ प्राप्त की जाए
Copy may be forwarded	प्रतिलिपि भेज दी जाए
Consultation with the officer	अधिकारी से परामर्श करके
Duly complied	विधिवत् अनुपालन किया गया
During the discussion it was decided	चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया गया
Error is regretted	त्रुटि के लिए खेद है
Here after	इसके बाद
In public interest	लोकहित की दृष्टि से
Joint representation	संयुक्त प्रतिवेदन
Letter of acceptance	स्वीकृति पत्र
Legal action	कानूनी कार्यवाही
No reference is available	कोई विवरण उपलब्ध नहीं है
No objection certificate	अनापत्ति प्रमाण-पत्र
No further action is required	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है
Noted, thanks	देख लिया, धन्यवाद
Please advise all concerned	सभी संबंधितों को सूचित करें
Put us as suggested	सुझाव के अनुसार प्रस्तुत करें
Please see preceding note	कृपया पिछले नोट देख लें
The requisite information be called for	अपेक्षित सूचना मांगी जाए
Through proper channel	उचित माध्यम से
Undersigned is directed to	अधोहस्ताक्षरी को निर्देश हुआ है

संविधान की अष्टम अनुसूची में विनिर्दिष्ट भाषाएं

1. असमिया	6. गुजराती	11. मराठी	16. मणिपुरी	21. बोडो
2. उड़िया	7. तमिल	12. मलयालम	17. नेपाली	22.डोगरी
3. उर्दु	8. तेलुगु	13. संस्कृत	18. कोंकणी	
4. कन्नड़	9. पंजाबी	14. सिन्धी	19. मैथिली	
5. कश्मीरी	10. बंगला	15. हिंदी	20. संथाली	

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी किए जानेवाले दस्तावेज़

1. सामान्य आदेश	General Order
2. संकल्प	Resolution
3. नियम	Rules
4. अधिसूचना	Notification
5. प्रेस संसूचनायें/विज्ञप्तियाँ	Press Communiques/Releases
6. संविदा	Contracts
7. करार	Agreements
8. अनुज्ञप्तियाँ	Licenses
9. अनुज्ञापत्र	Permits
10. सूचना	Notice
11. निविदा प्रपत्र	Forms of Tender
12. निविदा सूचनायें	Tender Notices
13. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखे जाने वाले शासकीय कागज़ातें	Official Papers to be laid before a House or Houses of Parliament
14. संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक और अन्य रिपोर्टें	Administrative and other reports to be laid before a House or Houses of Parliament

लाखों की ज़िंदगी को छूते हुए....

गर्भनिरोधक & एफएमसीजी | अस्पताल उत्पादें | महिला स्वास्थ्यरक्षा उत्पादें | इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स | क्लिनिकल पैथोलॉजी & रेडियो डायग्नोस्टिक इमेजिंग सेवाएं | रिटेल फार्मेसी | परियोजनाएं & सेवायें

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)